- भारत और फ्रांस ने अपने सशस्त्र बलों के बीच सहयोग को और अधिक मजबूत करने का निश्चय किया है और इस संबंध में ये संयुक्त बलों के सहयोग को विकसित करने के लिए विचार-विमर्श करने के साथ-साथ पारस्परिकता बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।
- उन्होंने पारस्परिक रसद सहायता के प्रावधान के संबंध में समझौते पर हस्ताक्षर करने का स्वागत किया है।
- रक्षा औद्योगिक सहयोग भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी के मुख्य आधारों में से एक रहा है।
- प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति दोनों ने पूर्व हस्ताक्षरित समझौतों के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की सराहना की, विशेष रूप से इस साल की शुरुआत में राफेल लड़ाकू जेट पर।
- दोनों देश के नेताओं ने रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और दोनों देशों की रक्षा कंपनियों के बीच "मेक इन इंडिया" की भावना और दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए मौजूदा और आगामी साझेदारी के लिए अपने समर्थन को बढ़ावा दिया है।

**कार्यरत प्रमुख रक्षा-संबंधित परियोजनाएं**

**राफेल विमान की खरीद:**

- 23 सितंबर 2016 को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर और फ्रांस के रक्षा मंत्री ले ड्रियन द्वारा 36 राफेल जेट खरीदने के लिए अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- परियोजना का क्रियान्वयन चल रहा है।

**P-75 स्कॉर्पीन परियोजना:**

- अक्टूबर 2006 में मैसर्स डीसीएनएस के साथ छह स्कॉर्पीन पनडुब्बियों के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- सभी छह जहाजों को मझगांव डॉक्स लिमिटेड में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के तहत बनाया जाना है। परियोजना का कार्यान्वयन चल रहा है। पहली पनडुब्बी आईएनएस कलवरी को अक्टूबर 2017 में कमीशन किया गया था।

## अंतरिक्ष सहयोग

- भारत और फ्रांस ने एक साथ अंतरिक्ष अन्वेषण में नई चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने अंतरिक्ष सहयोग को अधिक मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की है, चाहे वह ग्रहों की खोज या मानव अंतरिक्ष उड़ान से संबंधित हो।
- पीएम मोदी और इमैनुएल मैक्रॉन दोनों ने भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के लिए चिकित्सा सहायता कर्मियों को प्रशिक्षित करने के निर्णय का स्वागत किया, जो 2022 तक भारत के मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा होंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन फ्रांस और भारत दोनों देशों में किया जाएगा।
- संयुक्त समुद्री क्षेत्र जागरूकता मिशन की प्राप्ति के लिए एक तंत्र की स्थापना के संदर्भ में कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर करने का भी दोनों राष्ट्र के नेताओं ने निर्णय लिया है। उन्होंने अंतरिक्ष जलवायु वेधशाला के शुभारंभ का भी स्वागत किया जो तृष्णा संयुक्त मिशन और ओशनसैट 3 में आर्गोस को समायोजित करने के अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के भारत-फ्रांस सहयोग को और बढ़ाता है।
- दोनों देशों ने अंतरिक्ष मिशनों की सुरक्षा की गारंटी के लिए आवश्यक मानदंडों और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक साथ कार्य करने का भी संकल्प लिया है।

## डिजिटल स्पेस

- दोनों देश के नेताओं ने भारत-फ्रांस द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्रौद्योगिकी रोड मैप को, विशेष रूप से उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रणनीतिक क्षेत्रों में, दोनों देशों में स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र को एक दूसरे के करीब लाने के लक्ष्य के साथ अपनाया है।